वर्ष-12//अंक-34//जुलाई// 2024
ISSN 2454–5805
RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

समस्याओं का समाधान और जनता से संवाद होगा आसान

3 नए आपराधिक कानून, 10 पॉइंट में समझिए क्या-क्या बदलेगा

T20 World Cup 2024 जीतने पर भारतीय टीम पर हुई पैसों की बारिश

05

इतिहास में पहली बार सेना-नौसेना प्रमुख बने दो सहपाठी

16

ऐतिहासिक जीत! भारत ने अफ्रीका को 10 विकेट से हराया, मैच में एक नहीं बने कई महारिकॉर्ड

19

विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में होगी महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

eyes events & advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका
वर्ष-12//अंक-34//जुलाई//2024

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	जितेन्द्र साहू
मार्केटिंग मैनेजर	:	किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	:	कुसुम श्रीवास्तव
अकाउंट असिस्टेंट	:	प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय
54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास,
अग्रसेन धाम के पीछे, वी.आई.पी.रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-4044047
ईमेल : khabar@aamaadmi.in
कार्यालय
प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक
उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

जुलाई 2024

इस अंक में

बारबाडोस के मैदान पर टीम इंडिया ने रोहित शर्मा की अगुवाई में इतिहास रच दिया. 17 सालों के बाद टी20 वर्ल्ड कप भारत के हिस्से आया है. इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारत के दो दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया. यह खबर क्रिकेट प्रेमियों के लिए निराश करने जैसा रहा. बात कर रहे हैं विराट कोहली और भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की. पहले किंग कोहली ने संन्यास की बात कही फिर हिटमैन ने संन्यास लेने का ऐलान किया. दोनों ने कहा कि ये उनका आखिरी टी20 वर्ल्ड कप था. 35

1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड पेमेंट और बैंक खाता समेत बदल गए 5 नियम 06

1 जुलाई 2024 से क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान से जुड़े नियम बदल गए हैं. मोबाइल सिम बदलने के बाद मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए अब 7 दिन इंतजार करना होगा.

क्वांट म्यूचुअल फंड के ठिकानों पर फ्रंट रनिंग मामले में छापेमारी, 20

क्वांट म्युचुअल फंड ने सेबी की जांच में सहयोग की बात कही है. फंड हाउस ने कहा कि वह सेबी को सभी जरूरी डेटा मुहेया कराएगा और पारदर्शिता बनाए रखेगा.

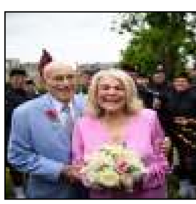

सेकंड वर्ल्ड वॉर का 100 साल का योद्धा और 96 साल की गर्लफ्रेंड, बेहद दिलचस्प है इनकी प्रेम कहानी 25

प्यार कब किससे हो जाए यह समझना बिल्कुल भी आसान नहीं है, इश्क एक ऐसी नदी है जो कब किस ओर बहेगी, यह बहता हुआ इंसान भी नहीं समझ पाता.

भारतीय बाजार में OLA के Electric Scooter की बढ़ी मांग 27

देश की दिग्गज इलेक्ट्रिक टू व्हीलर कंपनी ओला इलेक्ट्रिक एक और मुकाम हासिल किया है. कंपनी ने हाल ही में जून महीने की सेल्स का आंकड़ा जारी किया है. जून में कंपनी ने रिकॉर्ड सेल्स का आंकड़ा दर्ज किया है.

मंगल समागम का अमंगल हो जाना 30

हाथरस की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. आजकल धार्मिक समागमों में अक्सर दुर्व्यवस्था पैदा हो जाती है. बीते कुछ वर्षों में धार्मिक आयोजनों में मची भगदड़ इसकी गवाह है.

दुनिया के 60 करोड़ लोग भूखे सोने को हो सकते हैं मजबूर 33

नई दिल्ली. दुनियाभर में अगले छह साल में 60 करोड़ लोगों के भूख का सामना करने का अनुमान है. आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) और खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने रिपोर्ट जारी की है.

नए कानूनों से बनेगी आधुनिक न्याय व्यवस्था

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

जुलाई की पहली तारीख से देश भर में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो गए. सोमवार को नए कानूनों के तहत दर्ज किए गए मामलों की संख्या को यदि देखें, तो उम्मीद यही है कि ये तीनों कानून लागू हो जाने से देश की कानून-व्यवस्था कहीं अधिक सुचारू रूप से संचालित होगी.

विगत वर्षों में शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र छूटा है, जहां आपराधिक प्रवृत्ति ने जन्म न लिया हो. शर्मनाक घटनाओं का समाचार तो अब मानो स्थायी ही हो गया है. सरकारी दफ्तरों और विभागों में भ्रष्टाचार के साथ-साथ आर्थिक घोटालों की सुनामी सी आ गई है. ऐसे में, नई न्याय संहिता निश्चय ही अपराधों पर अंकुश लगाने में सहायक सिद्ध होगी. ब्रिटिश कालीन कई कानूनों की वैसे भी अब प्रासंगिकता बची नहीं थी. उनको छोड़कर आगे बढ़ना ही उचित था.

नए कानूनों का उद्देश्य आधुनिक न्याय व्यवस्था को लागू करना है. इसे मजबूत और शक्तिशाली बनाना है. न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में भी इस कदर परिवर्तन किए गए हैं कि वे कानून व्यवस्था को न्यायप्रिय बनाने में मददगार साबित होंगे. जीरो एफआईआर, ऑनलाइन शिकायत, एसएमएस या ईमेल से समन भेजने व जघन्य अपराध की वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान अनिवार्य किए गए हैं. इन सबसे अपराधियों के फन को कुचलने में सहायता मिलेगी और पुलिस तत्काल प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो सकेगी.

कानून व्यवस्था के दुरुस्त और कठोर होने से न्याय व्यवस्था को मजबूती मिलती है. इससे अपराधियों के मन में भय पैदा होता है, जिससे अपराध पर स्वत अंकुश लगता है. जनता जनार्दन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है और सरकार ने उचित ही व्यवस्थागत सुधार की ओर कदम उठाया है. पता नहीं क्यों, इसका विरोध किया जा रहा है, जबकि इनसे फायदा तो जनता को ही है.

इतिहास में पहली बार सेना-नौसेना प्रमुख बने दो सहपाठी

लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नए आर्मी चीफ बनाए गए हैं. उन्होंने 30 जून से यह जिम्मेदारी संभाली है. इससे पहले मनोज पांडे 26 महीने की सेवा के बाद आज यानी 30 जून को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हुए. उपेन्द्र द्विवेदी के नए आर्मी चीफ बनने के बाद ऐसा पहली बार है जब दो सहपाठी एकसाथ भारतीय सेना प्रमुख के पद पर पहुंचे हैं. जी हां, भारतीय सैन्य इतिहास में पहली बार दो साथी नौसेना और थलसेना की कमान एक साथ कमान संभालने वाले हैं. जहां, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने थलसेना के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला है, वहीं एडमिरल दिनेश त्रिपाठी नौसेना के प्रमुख हैं.

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का साथ काफी पुराना है. 1970 के दशक में शुरुआती स्कूल के दिनों में दोनों सहपाठी रह चुके हैं. ये दोनों कक्षा 5वीं में साथ पढ़ते थे.

क्लास से कमान तक

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सिर्फ सहपाठी नहीं थे. उनके रोल नंबर भी आगे-पीछे थे. क्लास 5A में जहां एडमिरल दिनेश त्रिपाठी का रोल नंबर 938 था तो वहीं लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का रोल नंबर 931 था. ये दोनों सैनिक स्कूल रीवा में क्लासमेट थे. बता दें, सैनिक स्कूल कई सालों से भारतीय सेना में करियर के लिए युवा लड़कों को तैयार कर रहा है. हालांकि, एडमिरल त्रिपाठी और लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी का एक साथ अपने-अपने सेवा प्रमुखों के पद पर पहुंचना अपने आप में पहली घटना है.

सैनिक स्कूल रीवा से शुरू हुआ सफर

सैनिक स्कूल रीवा से ही उनके शानदार करियर की शुरुआत हो गई थी. वहां उन्होंने पहली बार कैडेट की वर्दी पहनी थी. हालांकि, दोनों का सैन्य रास्ता अलग-अलग रहा. एक ने समुद्र और दूसरे ने जमीन को चुना, लेकिन दोस्ती अटूट रही.

दोनों ने संभाली कमान

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने 1 मई, 2024 को भारतीय नौसेना की कमान संभाली थी. 3 जून, 1964 को जन्मे एडमिरल त्रिपाठी अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद नौसेना में शामिल हुए और उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं. वहीं, लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, का जन्म 1 जुलाई 1964 को हुआ. वे 15 दिसंबर 1984 को भारतीय सेना की जम्मू-कश्मीर राइफल्स में नियुक्त हुए, उन्होंने 1 जुलाई को भारतीय सेना के प्रमुख के रूप में अपनी नई भूमिका ली. 2024. उत्तरी सेना कमांडर के रूप में उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा है.

सैनिक स्कूल रीवा की विरासत

गौरतलब है कि सैनिक स्कूल रीवा शुरुआत से ही ऐसी क्षमता वाले लीडर्स को तैयार करता रहा है. इन सभी को उनके अनुशासन, सम्मान और सेवा के मूल्यों के लिए जाना जाता है. यह स्कूल, भारत भर में सैनिक स्कूलों के नेटवर्क का हिस्सा है. इन स्कूलों में आर्मी के लिए युवाओं को तैयार किया जाता है.

1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड पेमेंट और बैंक खाता समेत बदल गए 5 नियम

> 1 जुलाई 2024 से क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान से जुड़े नियम बदल गए हैं. मोबाइल सिम बदलने के बाद मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए अब 7 दिन इंतजार करना होगा. 1 जुलाई 2024 से मोबाइल रिचार्ज कराना भी महंगा हो जाएगा. पंजाब नेशनल बैंक में खाता है और उसे लंबे समय से इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो वह 1 जुलाई 2024 से खुद-ब-खुद बंद हो जाएगा.

Rules Change: मोबाइल फोन, क्रेडिट कार्ड और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) खाता यूज करने वालों के लिए एक जरूरी खबर है. वह यह है कि आज से क्रेडिट कार्ड पेमेंट, मोबाइल पोर्ट, पीएनबी खाता समेत पांच प्रमुख नियम 1 जुलाई 2024 सोमवार से बदल गए हैं. बदले हुए नियमों के बाद एक कंपनी से दूसरी कंपनी के मोबाइल नंबर को पोर्ट करना आसान हो जाएगा, तो पीएनबी के तीन साल से पुराने खाते बंद हो जाएंगे. नियमों में इस बदलाव का प्रभाव देश के लाखों आम आदमी पर पड़ने वाला है.

Rules Change: मोबाइल पोर्ट करना होगा आसान

नियमों में बदलाव के बाद अब 1 जुलाई 2024 से सिम बदलने के बाद मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए अब 7 दिन इंतजार करना होगा. दूरसंचार नियामक ट्राई ने मोबाइल फोन नंबर के जरिये होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है. इससे पहले मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए 10 दिनों तक इंतजार करना पड़ता था. अगर सिम बदलने की तारीख से सात दिन की समाप्ति से पहले विशिष्ट पोर्टिंग कोड (यूपीसी) के लिए अनुरोध किया गया है, तो इसे आवंटित नहीं किया जाएगा.

क्रेडिट कार्ड पेमेंट Rules Change

इसके बाद 1 जुलाई 2024 से क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान से जुड़े नियम बदल गए हैं. इससे कुछ भुगतान एप के जरिये यूटिलिटी यानी बिजली और पानी जैसे बिल के भुगतान में दिक्कत आ सकती है. आरबीआई ने एक जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट सिस्टम के जरिये भुगतान करने को कहा है. इसका मतलब है कि एक जुलाई से सभी बैंकों को भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिये ही बिल प्रोसेस करना होगा.

बंद हो जाएगा पीएनबी का पुराना खाता

अगर किसी व्यक्ति का पंजाब नेशनल बैंक में खाता है और उसे लंबे समय से इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो वह 1 जुलाई 2024 से खुद-ब-खुद बंद हो जाएगा. पंजाब नेशनल बैंक की ओर से जारी किए गए अधिसूचना में कहा गया है कि 30 अप्रैल, 2024 तक जिन खातों को इस्तेमाल किए हुए तीन साल से अधिक का समय हो गया है, ऐसे खाते को बैंक अब एक महीने के भीतर बंद कर देगा. बैंक ने ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए 30 जून, 2024 तक की डेडलाइन तय की थी.

सौदे वाले दिन ही होगा एनपीएस का निपटान

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में अब सौदे वाले दिन ही निपटान हो जाएगा. इसका मतलब यह है कि एनपीएस में जिस दिन निवेश किया जाएगा, उसी दिन का मूल्य निवेशकों को मिल जाएगा. एनपीएस से जुड़ा नया नियम 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएगा. 11 बजे तक ट्रस्टी बैंक में निवेश आने पर नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी उसी दिन का माना जाएगा. हालांकि, इससे पहले तक यह एक दिन बाद होता था.

बढ़ जाएगा मोबाइल टैरिफ

इसके अलावा, 1 जुलाई 2024 से मोबाइल रिचार्ज कराना भी महंगा हो जाएगा. रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने जुलाई से मोबाइल पर बात करना और इंटरनेट का इस्तेमाल करना महंगा कर दिया है. रिलायंस जियो और एयरटेल की मोबाइल दरें तीन जुलाई से महंगी हो जाएंगी. वोडाफोन आइडिया भी 4 जुलाई से टैरिफ महंगा कर देगा.

जल्द भारत में लॉँच होगा Lava Blaze X

Lava जल्द ही अपना नया 5G स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है. कंपनी 10 हजार रुपये से 20 हजार रुपये के बजट में लगातार अपने नए फोन्स को लॉन्च कर रही है. नए फोन्स के जरिए कंपनी इस मार्केट में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है, जिसमें चीनी स्मार्टफोन ब्रांड्स का दबदबा है. इस क्रम में कंपनी नया हैंडसेट Lava Blaze X 5G को लॉन्च कर रही है. ये डिवाइस अगले हफ्ते भारतीय बाजार में आएगा. ब्रांड ने इसके डिजाइन और कुछ खास फीचर्स को रिवील कर दिया है. आइए जानते हैं इस हैंडसेट में क्या खास होगा.

10 जुलाई को होगा लॉन्च

लावा मोबाइल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अपकमिंग डिवाइस का एक टीजर वीडियो पोस्ट करते हुए लॉन्च डेट का खुलासा किया है. कंपनी ने लिखा, #BlazeX - Launching on 10-07-24, 12 PM. इसका मतलब है कि बाजार में 10 जुलाई, 2024 को दोपहर 12 बजे Lava Blaze X 5G फोन की एंट्री होने वाली है.

डिजाइन की बात करें, तो फोन के बैक पर सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल दिया गया है. वहीं, बाटम में LAVA की ब्रांडिंग दी गई है. वहीं, डिस्प्ले में सेल्फी व वीडियो कॉलिंग के लिए पंच-होल कटआउट दिया जाएगा. फोन के दाएं किनारे पर वॉल्यूम रॉकर व पावर बटन देखे जा सकते हैं. इसके अलावा वीडियो में फोन दो कलर ऑप्शन में देखा जा सकता है, जिसमें एक व्हाइट और दूसरा ब्लू कलर है. साथ ही फोन में कर्व्ड डिस्प्ले मौजूद होगा. इस फोन की बिक्री Amazon पर उपलब्ध होगी.

Lava Blaze X के फीचर्स

Lava Blaze X के कंफर्म फीचर्स की बात करें, तो फोन में फोटोग्राफी के लिए 64MP का प्राइमरी कैमरा दिया जाएगा. इसके साथ LED फ्लैश को जगह दी जाएगी. इसमें 8GB RAM व 8GB वर्चुअल RAM का ऑप्शन शामिल होगा. फोन में 4GB व 6GB RAM के वेरिएंट्स भी शामिल होंगे. फिलहाल कंपनी ने फोन के फीचर्स से जुड़ी यही डिटेल्स रिवील की है.

भोजन की थाली में अनाज घटा, फल-ड्राई फ्रूट पर खर्च बढ़ा

नई दिल्ली. लोगों के खान-पान का तरीका बदल रहा है. भोजन की परंपरागत आदतें बदलती हुई दिख रही हैं. यही कारण है कि लोगों की थाली से अनाज घट रहा है और उसकी जगह प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, फल-मेवों का सेवन बढ़ रहा है. इसके साथ ही लोग स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, जिसके चलते थाली से चीनी, नमक और तेल भी घट रहा है.

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि लोग परंपरागत भोजन की जगह अधिक पौष्टिक और रेडी टू ईट भोजन को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं. पिछले दो दशकों में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति अनाज का मासिक उपभोग तीन किग्रा तथा शहरी क्षेत्रों में दो किग्रा घट गया है. वर्ष 1999-2000 के मुकाबले वर्ष 2022-23 में अनाज का सेवन ग्रामीण क्षेत्रों में 25 फीसदी और शहरी क्षेत्रों 20 फीसदी कम हुआ है.

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इतना बढ़ा खर्च लोग अनाज की जगह भोजन के अन्य विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं. इनमें अंडा, फिश, मीट, फल-मेवों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ा है. ग्रामीण क्षेत्रों में फल एवं मेवों पर खर्च 1.72 फीसदी से बढ़कर 3.73 फीसदी, प्रसंस्कृत खाद्य पर 4.91 से बढ़कर 9.62 फीसदी, अंडा-मछली और मांस पर 3.32 फीसदी से बढ़कर 4.91 हो गया है. वहीं, शहरी क्षेत्रों में प्रसंस्कृत खाद्य पर व्यय 6.35 से बढ़कर 10.64 फीसदी, फल-मेवों पर 2.42 से 3.81, अंडा-मछली, मांस पर 3.13 से बढ़कर 3.57 हो गया है.

चीनी, नमक और तेल की खपत भी घटी

रोचक बात यह है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दूध, दाल और सब्जियों पर होने वाले व्यय में कमी आई है. कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन लगता है कि इनके दामों में इजाफा होना एक प्रमुख वजह हो सकता है. एक अच्छी बात यह है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चीनी और नमक पर व्यय कम हो रहा है. मधुमेह और उच्चरक्तचाप की बढ़ती बीमारी के मद्देनजर यह महत्वपूर्ण है. गांवों में चीनी-नमक पर होने वाला व्यय 2.60 फीसदी से घटकर 0.93 फीसदी रह गया.

अनाज पर खर्च में भारी गिरावट

रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 में ग्रामीण क्षेत्रों में अनाज पर प्रति व्यक्ति मासिक व्यय महज 185 तथा शहरों में 235 रुपये है, जो मौजूदा कुल व्यय का क्रमश 4.91 तथा 3.64 फीसदी है. 1999-2000 में ग्रामीण क्षेत्रों में 22.16 तथा शहरी क्षेत्रों में 12.35 था.

45 दिन के भीतर फैसला देना होगा

> एक जुलाई से नए आपराधिक कानून को देशभर में लागू कर दिया गया है. नए कानून के तहत अब सुनवाई के 45 दिन के भीतर फैसला देना होगा. पुलिस कार्रवाई की प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए 'ई प्रमाण' ऐप शुरू किया गया है, ताकि पुलिसकर्मियों को अपराध से संबंधित साक्ष्य जुटा सकें...

यह है नई प्रक्रिया

पुलिस के मुताबिक, एक जुलाई और उसके बाद दर्ज होने वाले सभी मुकदमों की प्राथमिकी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 154 के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 के तहत दर्ज की जाएंगी. नए आपराधिक कानूनों के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराएं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) से और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 की धाराएं भारतीय साक्ष्य अधिनियम से बदल जाएंगी.

अनावश्यक देरी से बचाएगा ऐप

'ई प्रमाण' ऐप के जरिये किसी भी केस से जुड़ा एफआईआर नंबर, साल, डीडी नंबर, तारीख, जिला यूनिट, पुलिस स्टेशन का नाम और ऑडियो व वीडियो की जानकारी मिलने में सहूलियत होगी.

भारतीय साक्ष्य संहिता में कहा गया है कि पुलिसकर्मी या केस का जांच अधिकारी तुरंत सबूतों के ऐप पर डाउनलोड करेगा. इससे मामलों की सुनवाई में अनावश्यक देरी से बचा जा सकेगा.

पुलिसकर्मियों को ऐसे प्रशिक्षित किया

इस साल जनवरी में कानूनों का अध्ययन करने और पुलिसकर्मियों के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था. इस समिति की अगुवाई स्पेशल कमिश्नर छाया शर्मा ने की. समिति ने अध्ययन सामग्री तैयार करने के अलावा पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण को चरणबद्ध तरीके से फरवरी में शुरू किया.

पुलिस को मिल सकती है अब 90 दिन तक की रिमांड

पहले केवल 15 दिन की पुलिस रिमांड दी जा सकती थी, लेकिन अब 60 या 90 दिन तक दी जा सकती है. केस का ट्रायल शुरू होने से पहले इतनी लंबी पुलिस रिमांड को लेकर कानून के कई जानकार चिंता जता रहे हैं.

फॉरेंसिक साक्ष्य अनिवार्य

जांच-पड़ताल में अब फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने को अनिवार्य बनाया गया है. सूचना प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग, जैसे खोज और बरामदगी की रिकॉर्डिंग, सभी पूछताछ और सुनवाई ऑनलाइन मोड में करना.

तीन दिन के भीतर एफआईआर करनी होगी

एफआईआर, जांच और सुनवाई के लिए अनिवार्य समय-सीमा तय की गई है. अब सुनवाई के 45 दिनों के भीतर फैसला देना होगा. शिकायत के तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करनी होगी.

दोषी ही दया याचिका दाखिल कर सकेगा

अब सिर्फ मौत की सजा पाए दोषी ही दया याचिका दाखिल कर सकते हैं. पहले एनजीओ या सिविल सोसाइटी ग्रुप भी दोषियों की ओर से दया याचिका दायर कर देते थे.

जीरो एफआईआर किसी भी पुलिस स्टेशन में कराएं

एफआईआर अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से दर्ज की जाएगी. ये प्रोग्राम राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के तहत काम करता है. सीसीटीएनएस से लोग बिना पुलिस स्टेशन गए ऑनलाइन ही ई-एफआईआर दर्ज करा सकेंगे. जीरो एफआईआर किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज हो सकेगी. चाहे अपराध उस थाने के अधिकार क्षेत्र में आता हो या नहीं.

राजद्रोह को आईपीसी से हटाया

भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली हरकतों को एक नए अपराध की श्रेणी में डाला गया है. तकनीकी रूप से राजद्रोह को आईपीसी से हटा दिया गया है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक लगा दी थी, यह नया प्रावधान जोड़ा गया है. इसमें किस तरह की सजा दी जा सकती है, इसकी विस्तृत परिभाषा दी गई है. आतंकवादी कृत्य, जो पहले गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम जैसे विशेष कानूनों का हिस्सा थे, इसे अब भारतीय न्याय संहिता में शामिल किया गया है.

शादी का झांसा देकर संबंध बनाए तो दस साल की सजा का प्रावधान

पॉकेटमारी जैसे छोटे संगठित अपराधों समेत अन्य संगठित अपराध में तीन साल की सजा का प्रवाधान है. इससे पहले राज्यों के पास इसे लेकर अलग-अलग कानून थे. वहीं, शादी का झूठा वादा करके सेक्स को विशेष रूप से अपराध के रूप में पेश किया गया है. इसके लिए 10 साल तक की सजा होगी.

T20 World Cup 2024 जीतने पर भारतीय टीम पर हुई पैसों की बारिश

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम इंडिया के लिए अभूतपूर्व पुरस्कार राशि की घोषणा की है. बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद रविवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि बोर्ड विजेता टीम को 125 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देगा.

भारत ने शनिवार, 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता. पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद भारतीय टीम ने विराट कोहली (59 गेंद पर 76 रन) और अक्षर पटेल (31 गेंद पर 47 रन) की शानदार पारियों की बदौलत 20 ओवरों में 176/7 का अच्छा स्कोर बनाया.

जवाब में, हार्दिक पांड्या (3/20), अर्शदीप सिंह (2/20) और जसप्रीत बुमराह (2/18) की गेंदबाजी के कारण दक्षिण अफ्रीका 20 ओवरों में 169/8 तक ही पहुंच सका. इसी के साथ भारत ने आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल लंबा इंतजार खत्म किया.

जय शाह ने की घोषणा

टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत के बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने खिलाड़ियों, कोचों और पूरे सपोर्ट स्टाफ सहित पूरी टीम के लिए 125 करोड़ रुपये की भारी पुरस्कार राशि की घोषणा की. शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर पूरी टीम को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए यह घोषणा की.

शाह ने लिखा, "मुझे आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के लिए टीम इंडिया के लिए 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है.

टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और खेल कौशल का प्रदर्शन किया है. इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सभी खिलाड़ियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ को बधाई!"

आईसीसी ने भी दी इनामी राशि

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (प्ब्ब) ने पहले ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 1.125 करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड पुरस्कार पूल की घोषणा की थी. प्रतियोगिता के विजेता होने के नाते, भारत को अतिरिक्त बोनस के साथ 2.45 करोड़ डॉलर (20.42 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो कि टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक राशि है.

वहीं, दक्षिण अफ्रीका को प्रतियोगिता में उपविजेता रहने पर 12.8 लाख डॉलर (10.67 करोड़ रुपये) मिलेंगे. इसके साथ ही, टीमों को प्रत्येक मैच जीतने के लिए अतिरिक्त 31,154 डॉलर (25.97 लाख रुपए) का पुरस्कार भी दिया जाएगा. इससे टीम इंडिया को आईसीसी की ओर से मिलने वाली कुल पुरस्कार राशि 22.63 करोड़ रुपये हो जाएगी.

3 नए आपराधिक कानून, 10 पॉइंट में समझिए क्या-क्या बदलेगा

> देश में आज से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं. ये कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं.

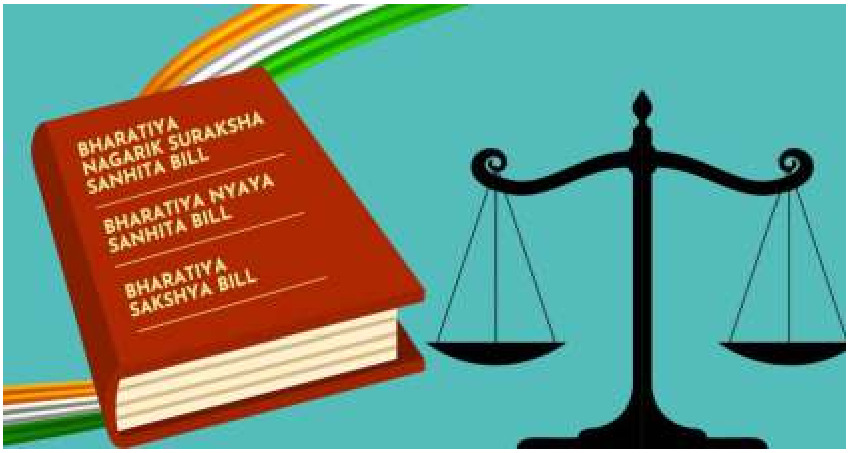

नए कानून लागू होने से आम लोगों के पास पुलिस की पहुंच आसान होगी. किसी भी पुलिस स्टेशन में एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज करने की अनुमति (जीरो एफआईआर) और जघन्य अपराधों के लिए अपराध स्थलों की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधानों से जांच को मजबूत करने और पीड़ितों को समर्थन मिलने की उम्मीद है. इसमें शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करना, एसएमएस के जरिए इलेक्ट्रॉनिक समन और साक्ष्यों को तेजी से साझा करना भी शामिल है.

नए कानून के तहत दर्ज हुई पहली एफआईआर

दिल्ली में इन नए कानूनों के तहत पहली एफआईआर भी दर्ज हो गई है. एक स्ट्रीट वेंडर के खिलाफ नई दंड संहिता भारतीय न्याय संहिता के तहत पहला मामला दर्ज किया गया है.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज के नीचे बाधा डालने और बिक्री करने के आरोप में एक स्ट्रीट वेंडर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया गया है. एफआईआर के मुताबिक, आरोपी की पहचान बिहार के बाढ़ निवासी पंकज कुमार के रूप में हुई है. एफआईआर के मुताबिक आरोपी सड़क के पास ठेले पर तंबाकू और पानी बेच रहा था, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी. जब उस इलाके में गश्त कर रही पुलिस ने आरोपी को अपना ठेला हटाने के लिए कहा, तो उसने बात अनसुनी कर दी. जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत उसपर केस दर्ज किया गया.

◆ नए कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी. नए आपराधिक कानूनों में इलेक्ट्रॉनिक मोड के जरिए समन भेजना, क्राइम सीन की अनिवार्य वीडियोग्राफी, पुलिस शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण और जीरो एफआईआर जैसी विशेषताएं होंगी.

◆ इसके अलावा महिलाओं, 15 साल से कम उम्र के बच्चों, 60 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों तथा दिव्यांग या गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को पुलिस थाने आने से छूट दी जाएगी. इन लोगों को घर पर ही पुलिस सहायता मिलेगी.

◆ नए कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाना जाए बिना इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करा सकता है. नए कानून के तहत पीड़ितों को भी एफआईआर की एक कॉम्प्लिमेंट्री कॉपी दी जाएगी.

◆ कानून का एक दिलचस्प पहलू ये है कि अगर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसे अपनी परिस्थितियों के बारे में अपने पहचान वालों को सूचित करने का अधिकार होगा. इससे गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को तुरंत मदद मिल सकेगी.

◆ गिरफ्तारी विवरण को पुलिस स्टेशनों और जिला मुख्यालयों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे गिरफ्तार व्यक्ति के परिजनों और दोस्तों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच आसान हो जाएगी.

◆ नए कानून महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता देते हैं. पहली रिपोर्ट दो महीने की अंदर दाखिल की जानी चाहिए. इसके अलावा

पीड़ित हर 90 दिनों में अपने मामले की प्रगति पर नियमित अपडेट पाने के हकदार है.

◆ नए कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा और पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे. नए कानून यह सुनिश्चित करते हैं कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के पीड़ितों को सभी अस्पतालों में मुफ्त प्राथमिक चिकित्सा या चिकित्सा उपचार मिले.

◆ दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट 7 दिन के भीतर देनी होगी.

◆ नए कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है.

◆ आरोपी और पीड़ित दोनों को 14 दिनों के भीतर एफआईआर, पुलिस रिपोर्ट, आरोप पत्र, बयान, कबूलनामे और अन्य दस्तावेजों की प्रतियां प्राप्त करने का अधिकार होगा. सुनवाई में अनावश्यक देरी को रोकने और समय पर न्याय दिलाने के लिए अदालतें केवल दो adjournments दे सकती हैं.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है. टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज की है. चेन्नई में खेले गए इस मैच में एक नहीं कई महारिकॉर्ड बने. एक तरफ हाल ही में जहां भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को वर्ल्ड कप के फाइनल में हराकर दूसरी बार विश्व विजेता का खिताब अपने नाम किया तो अब महिला टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. बता दें कि भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में और पहले ही इतने रन बना दिए कि क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया.

ऐतिहासिक जीत! भारत ने अफ्रीका को 10 विकेट से हराया, मैच में एक नहीं बने कई महारिकॉर्ड

पहले ही दिन बना दिए 526 रन

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 603 रन बनाए. खास बात ये कि पहले ही दिन 4 विकेट पर 525 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. क्रिकेट के इतिहास पर नजर डालें तो पहले दिन किसी भी टीम ने चाहे पुरुष हो या महिला इतने रन नहीं बनाए हैं. दूसरे दिन भारत ने फिर खेलना शुरू किया और 603 रन बनाकर पारी की घोषणा की.

जवाब में अफ्रीका की पूरी टीम पहली पारी में 266 रन बनाकर ही ढेर हो गई. उसे फॉलोऑन खेलना पड़ा. अफ्रीका ने दूसरी पारी में भी सभी 10 विकेट खोकर 373 रन बनाए और 36 रनों की बढ़त हासिल की. लेकिन जीतने के लिए ये रन काफी नहीं था. भारत ने बिना एक भी विकेट खोए इस स्कोर से आसानी से हासिल कर लिया.

लौरा वोल्वार्ड्ट के नाम दर्ज हुआ ये रिकॉर्ड

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में 373 रन जरूर बनाए लेकिन दो खिलाड़ियों को छोड़कर किसी ने कुछ खास कमाल नहीं किया. टीम की तरफ से सबसे ज्यादा लौरा वोल्वार्ड्ट ने 122 और सुने लुस ने 109 रन बनाए. बता दें कि शतक लगाकर लौरा वोल्वार्ड्ट ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करवा लिया है. वह एक ही साल में टेस्ट, वनडे और टी20 यानी क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई.

बने ये रिकॉर्ड

- भारत ने पहले दिन 536 रन बनाए और ऐसा करने वाला पहला देश बना.
- पहली पारी में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 6 विकेट पर 603 रन बनाकर भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाया. इससे पहले ये रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम दर्ज था. उसने 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 9 विकेट पर 575 रन बनाए थे.
- हरमनप्रीत कौर बतौर कप्तान लगातार तीन टेस्ट जिताने वाली पहली महिला कप्तान बन गई हैं. हरमनप्रीत ने तीन टेस्ट जीतने के मामले में मिताली राज की बराबरी जरूर की लेकिन लगातार जिताने वाली वह पहली महिला कप्तान हैं. भारत ने लगातार 3 टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया की बराबरी कर ली.
- इस मैच में शेफाली वर्मा ने 229 रन बनाए. एक मैच में किसी एक खिलाड़ी की ओर से बनाया गया यह सबसे ज्यादा रन है. खास बात ये कि पहले दिन ही शेफाली ने 205 रन बनाए और सबसे तेज दोहरा शतक लगाया. ये भी एक रिकॉर्ड है.
- भारत ने पहली पारी में जो 603 रन बनाए उसमें सबसे ज्यादा योगदान ओपनर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना का रहा. शेफाली ने 205 तो स्मृति ने 149 रन बनाए. दोनों ने पहले विकेट के लिए 292 रन जोड़े. पहले विकेट के लिए ये साझेदारी महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी साझेदारी है.

Ather Rizta की डिलीवरी शुरू

भारतीय बाजार में Electric Scooter की मांग लगातार बढ़ रही है. कंपनी की ओर से कुछ समय पहले लॉन्च किए गए Rizta स्कूटर की डिलीवरी को शुरू किया गया है. कंपनी की ओर से किन शहरों में सबसे पहले इस स्कूटर की डिलीवरी दी जा रही हैं. हम आपको इस खबर में बता रहे हैं.

एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसकी घोषणा की, जिसमें स्कूटर प्राप्त करने वाले शुरुआती शहरों की सूची दी गई. तरुण मेहता ने बताया कि अहमदाबाद, पुणे, दिल्ली, लखनऊ, आगरा, जयपुर, नागपुर और आंध्र प्रदेश के कई स्थानों पर डिलीवरी शुरू हो गई है. मेहता ने यह भी बताया कि ई-स्कूटर "बहुत जल्द अन्य सभी शहरों में भी आ जाएगा." बता दें कि इस नए मॉडल का उत्पादन जून की शुरुआत से किया जा रहा था.

कितनी है कीमत और रेंज?

बेस-स्पेक Rizta S की कीमत 1.10 लाख रुपये है. एडिशनल फीचर्स और कलर ऑप्शन के साथ रिज्टा जेड वैरिएंट उपलब्ध है जिसकी कीमत 1.25 लाख रुपये है. इसके अलावा, टॉप-एंड रिज्टा Z की कीमत 1.45 लाख रुपये है. सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं. 2.9 kWh बैटरी पैक के साथ आने वाले वैरिएंट की रेंज 123 किलोमीटर है, जबकि 3.7 kWh बैटरी पैक मॉडल की रेंज 160 किलोमीटर क्लेम की गई है. सभी वेरिएंट की टॉप स्पीड 80 किमी प्रति घंटा तक सीमित है.

बेहतर स्पेस और कम्फर्ट

Ather Rizta को एक फैमिली स्कूटर के तौर पर पेश किया गया है. जाहिर है कि कंपनी ने इसमें स्टोरेस और स्पेस का बखूबी ख्याल रखा है. इस स्कूटर पर एक साथ दो व्यस्कों के बैठने के बाद भी सीट पर काफी जगह बचती है. कंपनी का कंपनी है कि, इसमें लंबे कद के लोगों के लिए भी बेहतर और स्पेसियश फ्लैटबोर्ड दिया गया है. इसके अलावा पीछे बैठने वाले (पिलन राइडर्स) के लिए बैक-रेस्ट सपोर्ट भी मिलता है.

मिलते हैं कमाल के फीचर्स

Rizta S में कंपनी ने डैशबोर्ड पर 7.0 इंच का नॉन-टच डीपव्यू डिजिटल डिस्प्ले दिया है, जो 450 एस में देखा गया है. जबकि Z वेरिएंट 7.0-इंच का TFT टचस्क्रीन डिस्प्ले के साथ आता है जैसा कि 450X इलेक्ट्रिक स्कूटर में देखा गया है. टेलीस्कोपिक फोर्क, 12-इंच अलॉय फ्रंट व्हील और फ्रंट डिस्क ब्रेक से लैस स्कूटर में सिक्योरिटी कवर और एक रैपराउंड एलईडी टेल लाइट भी दी गई है.

विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में होगी महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

> रायपुर. महिला सशक्तिकरण से महिलाओं में उस शक्ति का प्रवाह होता है, जिससे वो स्वयं को सकारात्मक भूमिका देने में अहम योगदान कर सकती है. जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हैं और परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती हैं. समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिला सशक्तिकरण है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की वजह से आज भारत देश विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में है.विकसित भारत बनाने के साथ विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए यहां की माताओं और बहनों का बड़ा योगदान रहने वाला है.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए राज्य में महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई है. छत्तीसगढ़ में तीज-त्यौहारों और खुशी में महिलाओं को तोहफे, पैसे और नेग देने का रिवाज है. महतारी वंदन योजना के माध्यम से उसी परंपरा को छत्तीसगढ़ शासन निभा रहा है.

उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत राज्य में विवाहित महिलाओं को 1,000 रुपए प्रतिमाह (कुल 12,000 रुपए सालाना) वित्तीय सहायता दी जा रही है, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है. महिलाएं खुश है कि वो महतारी वंदन योजना से मिली राशि से अपने बच्चों और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर पा रहीं हैं साथ ही कई महिलाएँ भविष्य के लिए निवेश भी कर रहीं हैं.

महिलाएं विशेषकर विवाहित महिलाएं घर-परिवार की देखभाल, प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. अपनी छोटी-मोटी बचत का उपयोग ज्यादातर परिवार और बच्चों के पोषण में खर्च करती हैं. लेकिन आर्थिक मामलों में उनकी सहभागिता अभी भी बहुत कम है. इसे देखते हुए राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक सहभागिता बढ़ाने के लिए काम कर रही है. महिलाओं के स्वास्थ्य की बात की जाए तो 2020-21 में हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के अनुसार 23.1 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास इंडेक्स से कम स्तर पर हैं. 15 से 49 वर्ष के आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 60.8 प्रतिशत और गर्भवती महिलाओं में यह 51.8 प्रतिशत है. ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके लिए बड़ी राहत बनकर आई हैं.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि उनका प्रयास आने वाले पांच वर्षों में राज्य की जीडीपी को दोगुना करने का होगा. इसी लिए राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बजट में महतारी वंदन योजना के लिए 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. 10 मार्च से प्रथम किश्त महिलाओं के बैंक खाते में भेजने से प्रारंभ हुई महतारी वंदन योजना में प्रदेश के कुल 70 लाख 12 हजार 417 हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है, जून माह में चतुर्थ किस्त की राशि महिलाओं के बैंक खाते में जारी की जा चुकी है.

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

क्वांट म्यूचुअल फंड के ठिकानों पर फ्रंट रनिंग मामले में छापेमारी, जानें क्या है फ्रंट रनिंग और यह कैसे काम करता है

> क्वांट म्यूचुअल फंड ने सेबी की जांच में सहयोग की बात कही है. फंड हाउस ने कहा कि वह सेबी को सभी जरूरी डेटा मुहैया कराएगा और पारदर्शिता बनाए रखेगा. इससे पहले सेबी ने फ्रंट-रनिंग के संदेह में क्वांट म्यूचुअल फंड के ठिकानों पर छापेमारी की थी. जिसमें सभी डिजिटल सबूत जब्त कर लिए थे. बीते सप्ताह इस मामले में क्वांट डीलर्स और मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ भी की गई थी.

क्वांट ने अपने इंवेस्टर्स को भेजे नोट में कहा, 'हम अपने सभी हितधारकों के साथ पारदर्शिता बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन कुछ बिंदुओं को स्पष्ट कर रहे हैं. हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि क्वांट म्यूचुअल फंड एक विनियमित इकाई है, और हम किसी भी समीक्षा के दौरान नियामक के साथ सहयोग करने के लिए हमेशा पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं. हम जरूरत के मुताबिक सेबी जरूरी डेटा उपलब्ध कराते रहेंगे. क्वांट म्यूचुअल फंड देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाले और अधिकांश योजनाओं में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले फंड हाउसों में से एक बनकर उभरा है. क्वांट म्यूचुअल फंड में आपका विश्वास हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है. हम 80 लाख से अधिक फोलियो और 93,000 AUM के आत्मविश्वास, विश्वास और ताकत की सराहना करते हैं.'

सेबी को क्यों हुआ संदेह

सेबी की निगरानी प्रणाली के अलर्ट के मुताबिक कुछ संस्थाओं के लेनदेन क्वांट म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) के लेनदेन से काफी मेल खा रहे हैं, जिससे जानकारी लीक होने का शक पैदा हो गया है. जांच से जुड़े एक सूत्र ने बताया, सेबी की निगरानी प्रणाली ने अलर्ट जारी किया कि संदिग्ध संस्थाओं के लेनदेन क्वांट म्यूचुअल फंड के लेनदेन से मेल खा रहे हैं. इसलिए, सेबी को संदेह है कि क्वांट के किसी डीलर या फंड के ऑर्डर संभालने वाली ब्रोकिंग फर्म ने ट्रेड संबंधी जानकारी लीक की होगी.

पोर्टफोलियो में शामिल हैं ये शेयर

- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड
- भारतीय जीवन बीमा निगम
- अडानी पावर लिमिटेड
- पंजाब नेशनल बैंक
- जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड
- ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड

क्या है क्वांट म्यूचुअल फंड

क्वांट म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) की शुरुआत संदीप टंडन ने की थी. इस फंड को साल 2017 में सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी से लाइसेंस मिला था. यह देश का तेजी से बढ़ने वाला म्यूचुअल फंड है. इसमें लाखों लोग सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के जरिए पैसे लगाते हैं. अभी इस फंड हाउस की एसेट्स 90 हजार करोड़ रुपये है.

सेबी ने अप्रैल 2024 में म्यूचुअल फंड नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी थी, जिसका उद्देश्य फ्रंट-रनिंग और धोखाधड़ी वाले लेनदेन पर अंकुश लगाने के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना था. ये नियम ऐसी गतिविधियों को रोकने और म्यूचुअल फंड बाजार की अखंडता सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं. सेबी फ्रंट रनिंग को खत्म करने के लिए म्यूचुअल फंडों पर आक्रामक तरीके से कार्रवाई कर रही है.

क्या होती है फ्रंट रनिंग?

फ्रंट रनिंग का मतलब अवैध तरीके से शेयरों में खरीदी-बिक्री करने से है. फ्रंट रनिंग (Front Running) तब होती है जब किसी ब्रोकर के पास बड़ी मात्रा में खरीदे या बेचे जाने वाले स्टॉक की अंदर की जानकारी हो और वो उसका फायदा उठाने के लिए ट्रेड करता हो. यानी ब्रोकर स्टॉक से संबधित जानकारी पहले खुद देता है उसके बाद उसी के आधार पर फायदा कमाता है. फ्रंट रनिंग भारत में अवैध है. फ्रंट-रनिंग इसलिए अवैध मानी जाती है क्योंकि यह प्रॉफिट कमाने के लिए निजी जानकारी का लाभ उठाता है जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है.

आसान भाषा में समझें तो फ्रंट रनिंग का मतलब है अंदर की जानकारी निकालकर उसका फायदा उठाने के लिए शेयर की खरीद बिक्री करना.

गैरकानूनी धंधा है Front Running

स्टॉक मार्केट में Front Running का मतलब ये है मार्केट से आगे रन करना. फ्रंट रनिंग गैरकानूनी धंधा है, जिसमें कोई ब्रोकर बड़े ऑर्डर से पहले गोपनीय सूचनाओं के आधार पर किसी कंपनी के शेयर खरीदता या बेचता है, ताकि वह प्राइस मूवमेंट से मुनाफा कमा सके. फ्रंट रनिंग कई प्रकार की होती है. अगर आप ब्रोकर्स की रिसर्च फॉलो करते हैं तो पहले विचार कर लें कि वो जानकारी कितनी सही है. किसी भी स्टॉक में आंख बंद करके पैसा मत लगाएं.

समस्याओं का समाधान और जनता से संवाद होगा आसान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास उनके धरातल से जुड़े रहने का अहसास कराता है. साधारण से ग्रामीण परिवार वाले पृष्ठभूमि से आए मुख्यमंत्री श्री साय गरीबों के साथ जरूरतमंदों के लिए अब आसानी से उपलब्ध होंगे. मुख्यमंत्री जैसे पद पर जहां निरन्तर व्यस्तताएं होती है और सभी लोगों तक पहुंच पाना और उनकी समस्याओं को, उनकी बातों को सुन और समझ पाना चुनौती है, ऐसे में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन करके प्रदेश भर की जरूरतमंद जनता से मुलाकात करने का निर्णय साहसिक और सराहनीय भी है.

वैसे तो प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय राजधानी स्थित अपने निवास में और जिलों के कार्यक्रमों में आम जनता से निरन्तर मुलाकात करते रहते हैं और उनकी समस्याएं भी सुनते रहते हैं. उन्होंने अपने गृहग्राम बगिया में आम जनता की समस्याओं को सुनने और निराकृत करने अलग से कैम्प भी बनवाया है. वे जब अपने गृहग्राम जाते हैं तो भी बड़ी सहजता से आमजनों से मुलाकात कर समस्या का निराकरण करते नजर आते हैं. वे जब नहीं होते हैं तो उनके मार्गदर्शन में उनकी पत्नी द्वारा भी आमजनों से मुलाकात की जाती है.

रायपुर. जनदर्शन कार्यक्रम महज जनता से भेंट करने का माध्यम ही नहीं है, यह एक ऐसा विश्वास का सेतु है, जिसमें संवाद भी है और समस्याओं के समाधान के साथ प्रदेश का विकास भी समाहित है. अरसे बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री निवास में जनदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ होने जा रहा है. इस जनदर्शन कार्यक्रम का लोगों को बेसब्री से इंतजार भी था. वे अपने मुखिया से मिलकर अपना सुख-दुख साझा तो करते ही है, इसके साथ ही संवाद के माध्यम से प्रदेश के विकास की अवधारणा को लेकर अपना मंतव्य प्रकट करते हैं. आदिवासी मुख्यमंत्री होने के साथ ही सरलता, सहजता का पर्याय विष्णुदेव साय अपने मुख्यमंत्री निवास में 27 जून से प्रातः 11 बजे जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से सीधे संवाद स्थापित करेंगे.

जरूरतमंदों को मार्गदर्शन किया जाता हैं. गृहग्राम बगिया में जनदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री ने अनेक लोगों की समस्याओं का निराकरण किया है. एम्बुलेंस भेजकर गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज को अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार भी कराए हैं. ऐसे ही जशपुर जिले की निवासी सुकांति बाई चौहान है, जिनका पैर खाना बनाते समय आग में झुलस गया था. वह चलने में असहाय थी. जनदर्शन के माध्यम से जब मुख्यमंत्री के संज्ञान में यह बात आई तो उन्होंने रायपुर में सुकांति बाई का उपचार करवाया. उपचार के बाद स्वस्थ हुई सुकांति बाई जब अपने पैरों में खड़ी हो गई तो मुख्यमंत्री श्री साय ने उनसे फोन पर बात कर हालचाल भी जाना. आर्थिक तंगी झेल रही सुकांति बाई के लिए मुख्यमंत्री के गृहग्राम बगिया का जनदर्शन कितना लाभदायक साबित हुआ यह तो वह ही जानती है, लेकिन असहाय और जरूरतमंद महिला के प्रति मुख्यमंत्री ने जो किया, यह उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय न सिर्फ गृहग्राम बगिया में लोगों की समस्याएं सुनते हैं, वे राजधानी रायपुर निवास में और विभिन्न कार्यक्रमों में भी आमजनों के आवेदन प्राप्त कर उसके निराकरण की दिशा में कार्यवाही करते हैं. मुख्यमंत्री निवास में प्रतिदिन सैकड़ों लोग उनसे मिलने आते हैं. वे बहुत ही सह्रदयता से उनकी बातें सुनते, समझते हैं. अब जबकि उन्होंने सप्ताह में गुरूवार के दिन अपने निवास में जनदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्णय लिया है, ऐसे में प्रदेश भर की जनता से उनका सीधा संवाद होगा. सरगुजा से लेकर बस्तर तक के आमजनों की समस्याएं-शिकायतें मुख्यमंत्री द्वारा आसानी से सुनी जाएगी और जाहिर है

कि प्रदेश के मुखिया तक बात पहुंचने से उनकी समस्याओं के समाधान में गतिशीलता नजर आयेगी. आम जनता की मुख्यमंत्री तक पहुंच, एक ओर शासन-प्रशासन में सुशासन के वातावरण को और प्रकाशमान करेगा, वहीं जनमानस का विश्वास सरकार के प्रति मजबूत होकर निखरेगा. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सप्ताह में गुरूवार के दिन जनदर्शन कार्यक्रम करने का यह निर्णय आम जनता के प्रति उनकी निकटता, उनके समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और जनता के प्रति एक जिम्मेदार मुख्यमंत्री होने का फर्ज निभाने जैसा है और नि:संदेह इस कार्यक्रम से समस्याओं के समाधान और जनता से संवाद आसान होगा.

(कमलज्योति, सहायक संचालक)

बारिश का मजा बन सकता है सजा?

बरसात में नहाने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

हर कोई बारिश में नहाना पसंद करता है, लेकिन आज हम इस लेख में जिन बातों के बारे में बताने वाले हैं, उन्हें जानकर आपके मन में भी ये सवाल जरूर आएगा कि क्या हमें बारिश में भीगना चाहिए या नहीं.

आप में से कई लोगों को बारिश के आने का इंतजार रहता होगा, कि कब बुंदे बरसती हैं और नहाने का मौका मिलता है. हम जानते हैं कि घंटों बारिश में नहाने का अपना अलग ही मजा होता है, लेकिन आप ये नहीं जानते हैं, कि ये मजा आपके लिए सजा भी बन सकता है. जी हां, सजा. ऐसा नहीं है कि सिर्फ पहली बारिश ही हमारे लिए नुकसानदेह होती है, बल्कि किसी भी बारिश में ज्यादा समय तक नहाना हमारी स्किन और बालों के लिए नुकसान हो सकता है. कैसे? आज हम आपको इस लेख में बरसात से होने वाले नुकसान के बारे में बताने वाले हैं, साथ ही ये भी बताएंगे कि आप कैसे बरसाती मौसम में अपनी स्किन की देखभाल कर सकते हैं.

हेयर फॉल

बारिश के पानी में प्रदूषकों और गंदगी भी शामिल होती है, ऐसे में आप में से कई लोग मस्ती करते हुए जमीन में जमा हुआ पानी एक-दूसरे पर डालते हैं. बता दें कि ऐसा करना आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकता है और उन्हें कमजोर कर सकता है. जिसका असर ये होगा कि बाल रूखे और टूटना शुरू हो जाएंगे. इसलिए बारिश में नहाने के बाद बालों को अच्छी तरह से धो लें और मॉइश्चराइजिंग शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें. आप हेयर मास्क और ऑयल ट्रीटमेंट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

डैंड्रफ की समस्या

बारिश के पानी में ज्यादा समय तक नहाने से स्कैल्प का पीएच लेवल बिगड़ जाता है. जिसके कारण मालासेजिया (उंसेंम्रपं) नाम के फंगस को बढ़ावा मिलता है और इसी वजह से बरसात में नहाने से डैंड्रफ होता है. अगर बारिश में नहाते समय आपको स्कैल्प पर खुजली और दाने भी हो सकते हैं.

स्किन इंफेक्शन होने का खतरा

आपके साथ भी ऐसा हुआ होगा कि बारिश में नहाने के बाद या तो त्वचा पर रेडनेस आ गई होगी या फिर खुजली शुरू हो गई होगी. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब हम बारिश में भीगते हैं तो मस्ती में कभी रोड के पास जमा हुए पानी में छलांग लगाते हैं तो कभी छत में जमा हुए पानी को एक-दूसरे पर फेंकते हैं. ये स्किन से जुड़ी बीमारियों का कारण बनता है. उन लोगों को तो खासकर बारिश में नहीं भीगना चाहिए, जिनकी स्किन पहले से ही सेंसिटिव हो या फिर जिन्हें पहले से ही स्किन डिजीज हो.

ऐसे करें अपनी स्किन की देखभाल

बारिश में भीगने के बाद साफ पानी और साबुन से नहाएं और खुद को तौलिये से पोंछने के बाद पूरी बॉडी पर मॉइस्चराइजर लगाना ना भूलें. इससे आपकी स्किन नरिश रहेगी और उसमें ड्राइनेस नहीं आएगी. इसके अलावा स्किन या स्कैल्प पर किसी भी तरह की परेशानी के दिखने पर डॉक्टर व डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें.

सेकंड वर्ल्ड वॉर का 100 साल का योद्धा और 96 साल की गर्लफ्रेंड, बेहद दिलचस्प है इनकी प्रेम कहानी

प्यार कब किससे हो जाए यह समझना बिल्कुल भी आसान नहीं है, इश्क एक ऐसी नदी है जो कब किस ओर बहेगी, यह बहता हुआ इंसान भी नहीं समझ पाता. क्या आप कभी सोच सकते हैं कि 100 साल की उम्र में आपको बिछड़ा हुआ प्यार दोबारा मिल जाए, यहां तक कि आप जिंदगी के आखिरी वक्त में पार्टनर मिलने पर शादी कर लें, शायद नहीं लेकिन यह सच हुआ है चलिए बताते हैं आपको.

इश्क-मोहब्बत कभी उम्र के बंधन में नहीं बंध सकते, ये आजाद हैं. जिंदगी में अच्छा और समझने वाला हमसफर मिले तो प्यार कभी-भी हो सकता है, इस बात को सेकंड वर्ल्ड वॉर में शामिल रहे 100 साल के योद्धा हारोल्ड टेरेंस और उनकी 96 साल की गर्लफ्रेंड जीन स्वेर्लिन ने साबित कर दिखाया. जिन्होंने ना सिर्फ इस उम्र में प्यार किया, बल्कि शादी भी कर ली.

आज कल लोगों को उम्र बढ़ने के साथ ही शादी की चिंता सताने लगती है, सोचते है ज्यादा देर होने से ऐसा न हो कि पार्टनर ही न मिले. वैसे कहते हैं कि नीयती में सब कुछ एक समय के लिए फिक्स है

कुछ चीजें आपको सही वक्त आने पर ही मिलती हैं. कभी-कभी प्यार को लेकर भी यही फॉर्मूला फिट बैठता है हारोल्ड टेरेंस की लव स्टोरी भी कुछ ऐसी ही है.

टेरेंस-स्वेर्लिन की पहली मुलाकात

अमेरिका की ओर से दूसरे विश्व युद्ध लड़ने वाले हारोल्ड टेरेंस और जीन स्वेर्लिन की पहली मुलाकात 1942 में हुई थी. स्वेर्लिन बताती हैं कि तब वो हाई स्कूल में थी. 20 साल के हेरोल्ड यूएस आर्मी में एयरफोर्स कोर्पोरल थे और फ्रांस के दौरे पर आए थे. तभी हमारी मुलाकात हुई और हम दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया. हारोल्ड काफी रोमांटिक और ग्रेट किसर हैं. जब भी मिलते थे, किस जरूर करते थे.

शेयर बाजार में जोरदार धमाका, Sensex पहली बार 80 हजार के पार

> शेयर बाजार ने आज यानी 3 जुलाई को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है. कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 80,074 और निफ्टी ने 24,307 का स्तर छुआ. फिलहाल सेंसेक्स 500 अंकों की बढ़त के साथ 80,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. निफ्टी में भी 150 अंकों से ज्यादा की तेजी है. यह 24,300 के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट देखने को मिल रही है. बैंकिंग, मेटल और ऑटो शेयरों में ज्यादा तेजी है. एचडीएफसी बैंक के शेयर में 3 फीसदी की तेजी है. वहीं आईटी और एनर्जी शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है. इससे पहले कल यानी 2 जुलाई को भी बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था. 7 महीने में 70 हजार से 80 हजार पर पहुंचा सेंसेक्स

सेंसेक्स को 70 हजार से 80 हजार पर पहुंचने में 7 महीने लगे थे. 11 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार पर था, जो अब 3 जुलाई को 80 हजार पर पहुंच गया है. वहीं, सेंसेक्स को 60 हजार से 70 हजार पर पहुंचने में 2 साल से ज्यादा का वक्त लगा. इस साल अब तक सेंसेक्स में 10% की तेजी देखने को मिली है और पिछले 1 साल में 22% की तेजी देखने को मिली है.

आज एशियाई बाजारों में बढ़त

एशियाई बाजारों में बढ़त देखने को मिल रही है. जापान का निक्केई 0.88% ऊपर है. ताइवान वेटेड 1.02% ऊपर है और कोरिया का कोस्पी 0.30% ऊपर है. हैंग सेंग 0.72% ऊपर कारोबार कर रहा है. हालांकि, शंघाई कंपोजिट में 0.42% की गिरावट देखने को मिल रही है.

मंगलवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त देखने को मिली. डॉव जोन्स 162 (0.41%) अंकों की बढ़त के साथ 39,331 पर बंद हुआ. नैस्डैक 149.46 (0.84%) अंकों की बढ़त के साथ 18,028 पर बंद हुआ. एसएंडपी 500 इंडेक्स 33 (0.62%) अंकों की बढ़त के साथ 5,509 पर बंद हुआ. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार, 2 जुलाई को 2,000.12 करोड़ रुपये के शेयर बेचे. इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 648.25 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे.

भारतीय बाजार में OLA के Electric Scooter की बढ़ी मांग, जून में बेच डाली 36716 यूनिट्स

देश की दिग्गज इलेक्ट्रिक टू व्हीलर कंपनी ओला इलेक्ट्रिक एक और मुकाम हासिल किया है. कंपनी ने हाल ही में जून महीने की सेल्स का आंकड़ा जारी किया है. जून में कंपनी ने रिकॉर्ड सेल्स का आंकड़ा दर्ज किया है. कंपनी ने एक बार फिर एक ही महीने में 30 हजार से ज्यादा यूनिट्स की सेल्स की है. कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, साल दर साल कंपनी ने 107 फीसदी की बढ़त हासिल की है. वाहन पोर्टल (VAHAN Portal) के मुताबिक, कंपनी ने जून में 36,716 यूनिट्स का रजिस्ट्रेशन किया है. कंपनी अपनी शुरुआत से ही इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में बढ़त बनाए हुए है.

ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कैसा प्रदर्शन

ओला इलेक्ट्रिक ने ईयर ऑन ईयर बेसिस पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है. कंपनी को इस अवधि के दौरान 107 फीसदी की बढ़ोतरी हासिल हुई है. बीते साल June महीने में कंपनी ने करीब 18 हजार यूनिट्स की बिक्री की थी.

46% बाजार पर कब्जा

अपने रिकॉर्ड बिक्री के चलते Ola Electric ने 46 पर्सेंट बाजार पर कब्जा कर लिया है. इस मौके पर ओला के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा, 'हम लगातार 7 तिमाहियों से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में टॉप पर हैं.' "यह S1 सीरीज के स्कूटरों की अद्भुत लोकप्रियता को दर्शाता है. हम भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार में लगातार नए इनोवेशन और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. इस क्रम में कंपनी लगातार प्रगति भी कर रही है."

EV सेगमेंट में सबसे बेहतर प्रदर्शन

इसके साथ ही ओला ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही की तुलना में 57% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है. जून 2024 को समाप्त तिमाही में कंपनी ने 1.08 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं.

50MP डुअल रियर कैमरा सेटअप के साथ एंट्री करेगा CMF Phone 1, लॉन्च से पहले लीक हुई कीमत और फीचर्स

> CMF फोन 1 को कंपनी 8 जुलाई को लॉन्च करने के लिए तैयार है. 8 जुलाई को इस फोन के साथ कंपनी सीएमएफ बड्स प्रो 2 और सीएमएफ वॉच प्रो 2 को भी पेश किया जाएगा. लॉन्च इवेंट भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा और फोन फ्लिपकार्ट के माध्यम से खरीदने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा. नथिंग का सब-ब्रांड CMF अपने आने वाले फोन में इस्तेमाल किए जाने वाले कंपोनेन्ट के बारे में लगातार टीजर जारी कर रहा है, और उम्मीद की जा रही है कि फोन को बजट सेगमेंट में पेश किया जाएगा.

CMF Phone 1 में क्या होगा खास?

टिप्स्टर योगेश बरार के मुताबिक, CMF Phone 1 में 6.7-inch का sAMOLED LTPS डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120Hz रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा. इस फोन की पीक ब्राइटनेस 2000 Nits की होगी. इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है.

ऑप्टिक्स की बात करें, तो फोन में 16MP का सेल्फी कैमरा मिल सकता है, जो सेंटर पंच होल कटआउट में फिट होगा. इसके अलावा स्मार्टफोन में 50MP के मेन लेंस वाला कैमरा मिल सकता है. फोन में एक डेप्थ सेंसर भी होगा. स्मार्टफोन में AI Vivid मोड दिया जा सकता है.

नथिंग क सब-ब्रांड CMF कंफर्म कर चुका है कि उसके अपकमिंग फोन में MediaTek Dimensity 7300 5G SoC दिया जाएगा. कंपनी का दावा है कि यह चिपसेट दमदार परफॉर्मेंस के साथ शानदार गेमिंग एक्सपीरियंस ऑफर करेगा.

अन्य संभावित फीचर्स

CMF Phone 1 को लेकर बताया जा रहा है कि इस फोन में 5,000mAh की बैटरी दी जा सकती है. फोन में 33W वायर्ड चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा. यह फोन Android 14 पर आधारित कस्टम यूजर इंटरफेस पर रन करेगा. संभव है कि फोन को 3 साल तक का अपडेट मिलें.

कितनी होगी कीमत?

CMF Phone 1 को कंपनी दो कॉन्फिग्रेशन में लॉन्च कर सकती है. इसके 6GB RAM + 128GB स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 15,999 रुपये हो सकती है, जबकि 8GB RAM + 128GB स्टोरेज वाला वेरिएंट 17,999 रुपये में लॉन्च हो सकता है. टिप्स्टर की मानें, तो फोन के बॉक्स पर इसका प्राइस 19,999 रुपये दिया गया है.

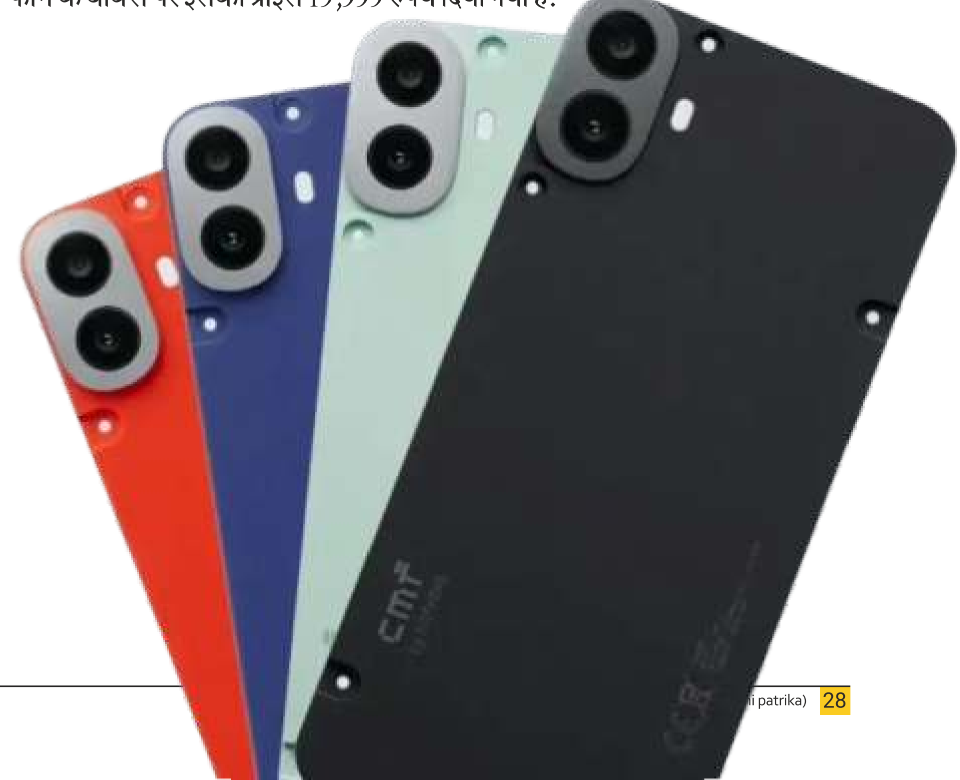

ऐप या वेब डेवलपमेंट कौन रहेगा बेहतर

वर्तमान में डेवलपर के तौर पर मोबाइल और वेब डेवलपमेंट का क्षेत्र कई मौके परोस रहा है. लेकिन इनमें से आपके लिए कौन सा ज्यादा फायदेमंद होगा, एक तुलना से जानें यहां

डिजिटल दुनिया में ऐप डेवलपमेंट और वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र तेजी से प्रसार कर रहे हैं. ऐसे में इन दोनों में से आप अपने करियर के लिए कौन सा चुनें, यह उलझन होना स्वाभाविक है. कुछ लोकप्रिय मोबाइल ऐप्स के उदाहरणों में व्हाट्सऐप, स्काइप आदि हैं, तो वेब एप्लीकेशन में अमेजन, जीमेल आदि हैं.

क्या हैं मौके एंड्रॉइड डेवलपर्स और वेब डेवलपर्स के लिए अलग-अलग मौके हैं. वेब डेवलपमेंट सीखना ज्यादा आसान साबित हो सकता है. इसीलिए इसमें प्रतियोगिता ज्यादा मिलेगी. वहीं ऐप डेवलपमेंट में कुशल लोग कम मिलते हैं, क्योंकि यहां मांग और आपूर्ति के बीच बड़ा अंतर है. इसीलिए ऐप डेवलपमेंट के मौके

भी बढ़ रहे हैं. 2023 तक मोबाइल ऐप डेवलपमेंट के मौकों में 26 फीसदी की बढ़ोतरी होगी, तो वेब डेवलपर के मौकों में 16 फीसदी की बढ़ोतरी होगी.

क्या होगी आय भारत में एक कुशल वेब डेवलपर दस लाख रुपये वार्षिक की औसतन कमाई कर सकता है. वहीं कंपनी और अनुभव आदि के आधार पर ऐप डेवलपर भी औसतन 11 लाख रुपये वार्षिक तक कमा सकता है.

कठिनता का स्तर जैसा कि पहले बता चुके हैं वेब डेवलपमेंट तुलनात्मक रूप से आसान है. वहीं मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने में और विशिष्ट और विविध स्किल्स चाहिए होंगे.

कैसा होगा सीखना आधारभूत रूप से दोनों ही काम के लिए कंप्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री काम आएगी. या ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं. बूटकैंप से हुनर निखारें. मोबाइल ऐप डेवलपमेंट में आप आईओएस और एंड्राइड के लिए विविध प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे कोटलिन, जावा में महारत हासिल करें. वेब डेवलपमेंट में सीएसएस, एचटीएमएल या जावास्क्रिप्ट जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज और एंग्युलर जेएस, रिएक्ट जेएस जैसे फ्रेमवर्क और सर्वर की तरफ के फ्रेमवर्क जैसे नोडजेएस आदि पर काम करना सीखें.

मंगल समागम का अमंगल हो जाना

"हाथरस की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है. आजकल धार्मिक समागमों में अक्सर दुर्व्यवस्था पैदा हो जाती है. बीते कुछ वर्षों में धार्मिक आयोजनों में मची भगदड़ इसकी गवाह है. यहां तक कि सड़क हादसों के शिकार लोगों में भी एक बड़ी संख्या तीर्थयात्रियों की होती है. लिहाजा, इन घटनाओं से जुड़े तमाम आयामों पर हमें गौर करना होगा और समय रहते उचित कदम भी उठाने होंगे."

हाथरस में सत्संग के लिए क्या इंतजाम किए गए थे और क्या नहीं, इस पर अभी बहस होती रहेगी, लेकिन पहली नजर में तो यही लगता है कि आयोजन-स्थल पर प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए थे. किसी भी बड़े आयोजन की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और आयोजक, दोनों की होती है. हालांकि, आयोजकों का इंतजाम उतना प्रभावी नहीं हो सकता, जितना जिला प्रशासन का होता है. आयोजकों के सेवादार भी एक हद के बाद समस्या बन जाते हैं. मगर जिला प्रशासन आमतौर पर तभी सक्रिय होता है, जब उसके पास ऐसे किसी आयोजन की पूर्व-सूचना पहुंचती है. यह खबर अमूमन आयोजक ही देता है कि वह एक तय तिथि को कार्यक्रम करने जा रहा है.

इसमें वह श्रद्धालुओं के पहुंचने की अनुमानित संख्या भी बताता है. इसके बाद जिला प्रशासन की यह जिम्मेदारी होती है कि वह आयोजन-स्थल का मुआयना करके कार्यक्रम पर फैसला ले. वह चाहे, तो पुलिस ऐक्ट के तहत ऐसे आयोजनों को नियमित कर सकता है, अनुमति देने से इनकार कर सकता है या शर्तें तय कर सकता है. मगर मुश्किल यह है कि तमाम धार्मिक आयोजनों में अब तरह-तरह की व्यावसायिक गतिविधियां भी होने लगी हैं. इनमें जितने भक्त आते हैं, उतना ही चढ़ावा चढ़ता है, दान मिलता है व धन का हस्तांतरण होता है. इन सबसे आयोजनों में व्यवस्था के तार-तार होने का डर बना रहता है.

हालांकि, आयोजकों के सिर पर जिम्मेदारी डालकर प्रशासन अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं कर सकता. अगर किसी आयोजन के लिए उससे अनुमति नहीं भी ली गई होती है और उसमें हजारों-लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जाती है, तो जिला प्रशासन अपने तईं सरकारी अमले का उपयोग करने को स्वतंत्र होता है.

यानी, आयोजक अनुमति ले अथवा नहीं, दोनों ही परिस्थितियों में जिम्मेदारी जिला प्रशासन के कंधों पर ही होती है. लिहाजा, उसे स्वत सुरक्षा इंतजाम करने पड़ते हैं या बंदोबस्त न कर पाने की सूरत में कार्यक्रम रद्द कराने होते हैं. उसको कई तरह की प्रशासनिक ताकत इसीलिए मिली हुई है.

हालिया दिनों में आयोजकों में यह सोच घर कर रही है कि धार्मिक जलसों के लिए अनुमति लेने की जरूरत नहीं है. अगर आज्ञा ले भी ली, तो प्रशासन द्वारा लगाई गई शर्तों को मानने का कोई औचित्य नहीं. यह गलत प्रवृत्ति है. इसी के कारण देश भर में कई बाबा प्रकट हो गए हैं. ये अक्सर बरसात के दौरान चौमासा में सामने आते हैं. इनका इलाका भी बंटा हुआ होता है. ये स्वयंभू बाबा किसी को कुछ नहीं मानते और भीड़ का इस्तेमाल अपनी ताकत दिखाने के लिए करते हैं. ऐसे कार्यक्रमों पर पर्याप्त सख्ती आवश्यक है. मगर धार्मिक आयोजनों को लेकर जिला प्रशासन में एक तरह का खौफ भी बना रहता है. यह स्थिति तब है, जब जिले पहले की तुलना में छोटे कर दिए गए हैं. जाहिर है, उसका यह डर मुनासिब नहीं है.

ऐसी स्थिति से पार पाने के लिए जरूरी है कि नियमों का हरसंभव पालन किया जाए. हर क्षेत्र के हिसाब से एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, यानी एसओपी) बनी हुई है, जिसमें बताया गया है कि जब भीड़ इकट्ठी हो जाए, तो उसका प्रबंधन कैसे किया जाना चाहिए? किस तरह के कार्यक्रमों को अनुमति देनी है और किस कदर शर्तें मनवानी है. इस प्रक्रिया पर सख्ती से अमल आवश्यक है.

भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं आयोजन के समापन के वक्त होती हैं. फरवरी, 2013 में प्रयाग में कुंभ से लौटती भीड़ के कारण रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ हो या हाथरस की ताजा घटना, समस्या आखिरी लम्हों में ही पैदा हुई. इसकी दो वजहें मानी जाती हैं. पहली, आखिरी वक्त में पुलिसकर्मी सुस्त पड़ जाते हैं और कहीं-कहीं तो वापस भी लौट जाते हैं. इसके कारण शरारती तत्वों को बखेड़ा करने का मौका मिल जाता है. और दूसरी, आयोजनों में शामिल होने के लिए श्रद्धालु बेशक टुकड़े-टुकड़े में आते हैं, पर आयोजन स्थल से निकलते समय एक झुंड में बाहर आते हैं. यह एक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति होती है. इसे संभालने का दायित्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर होता है. कुंभ के दौरान तो प्रयागराज के जोनल आईजी को आसपास के 10-12 जिलों के यातायात और भीड़ प्रबंधन का प्रमुख बनाया जाता है, ताकि श्रद्धालुओं के आने-जाने का उचित प्रबंधन हो सके.

यहां एक और मसला है, जो मैंने अपनी पुलिस सेवा के दौरान वर्ष 2001 के कुंभ में देखा था. यह है लोगों की मानसिकता. मैं और तत्कालीन एसएसपी लोगों से यह कहते-कहते थक गए कि वे स्नान कर लें,

ताकि भीड़ कुछ कम हो, लेकिन 'अमृत-बूंद के गिरने' के नजदीक ही नहाने पर लोग अड़े रहते थे. कोई इससे पहले नहाने को तैयार नहीं होता था, जिसके कारण भीड़ का दबाव बढ़ जाता था. चूंकि अगले वर्ष प्रयागराज में फिर से कुंभ का आयोजन हो रहा है, इसलिए स्थानीय प्रशासन के लिए यह सबक जैसा है कि भीड़ प्रबंधन के लिए उसे दो बड़ी चुनौतियों से पार पाना होगा. एक, लोगों की मुहुर्त देख नहाने की जिद और दूसरा, संगम स्थल के पास ही स्नान की लालसा. हर आदमी एक खास समय में यह काम करना चाहेगा, जिस कारण अराजकता हो सकती है. इसको संभालना आसान काम नहीं होगा.

जाहिर है, कुछ बातों का यदि ख्याल रखा जाए, तो ऐसे आयोजनों में होने वाले दुखद हादसों पर हम काफी हद तक लगाम लगा सकते हैं. सबसे पहले तो पुख्ता बंदोबस्त आवश्यक है, फिर एसओपी का पालन सुनिश्चित करना होगा. इसके बाद नियमों व शर्तों के पालन में सख्ती दिखानी होगी और फिर, बिना डरे हुए भीड़ का उचित प्रबंधन करना होगा. चूंकि लोग ऐसे आयोजनों से भावनात्मक रूप से भी जुड़े होते हैं, इसलिए उनकी मानसिकता को समझते हुए स्थानीय प्रशासन को उचित कदम उठाने होंगे. विशेषकर आखिरी लम्हों में खास सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि अप्रत्याशित हालात बनने की आशंका अंत में ही सबसे अधिक होती है.

Mahindra की दमदार SUV Scorpio N अब हुई और बेहतर, मिलेंगे वेंटिलेटेड सीट... वायरलेस चार्जर और बहुत कुछ

भारत में सबसे ज्यादा एसयूवी सेगमेंट के वाहनों की बिक्री करने वाली कंपनी Mahindra की ओर से Scorpio N में कई नए फीचर्स को जोड़ा गया है. कंपनी की ओर से किस वेरिएंट में किस तरह के फीचर्स को जोड़ा गया है. हम आपको इस खबर में बता रहे हैं.

स्कॉर्पियो N Z8 वेरिएंट के नए फीचर्स

इस वैरिएंट मेंएड्रेनॉक्स कनेक्टेड कार टेक्नोवॉजी, एलेक्सा बिल्ट-इन, R17 डायमंड-कट एलॉय व्हील्स, रियर पार्किंग कैमरा, कॉफी-ब्लैक लेदरेट अपहोल्स्ट्री, LED DRLs के साथ LED हेडलैंप, LED प्रोजेक्टर फॉग लैंप, LED सीक्वेंशियल टर्न इंडिकेटर, फ्रंट क्रोम ग्रिल, 6-एयरबैग, एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले (वायर्ड. वायरलेस), 8.0-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, 7.0-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और लेदर रैप्ड स्टीयरिंग और गियर शिफ्ट लीवर शामिल है.

Scorpio-N का डिजाइन

कार के इंटीरियर में कॉफी ब्लैक लैदरैट सीट्स मिलती है. बेस्ट इन क्लास कमांड सीटिंग पोजीशन, सेंटर कंसोल, मेटल फिनिश्ड डुअल रेल्स, एडवांस इन्फोटेन्मेंट सिस्टम और काफी कुछ मिलता है. टेक्नोलॉजी की बात करें तो कार में 70 से ज्यादा कनेक्टेड फीचर्स मिलते हैं. बिल्ड इन एलेक्सा और 3डी साउंड सिस्टम और 20.32 सेंटीमीटर का इन्फोटेन्मेंट स्क्रीन मिलता है.

इंजन मैकेनिज़्म

कंपनी ने स्कॉर्पियो-एन के चुनिंदा वेरिएंट्स में फीचर्स को जोड़ने के अलावा अन्य कोई बदलाव नहीं किया है. Mahindra Scorpio-N पहले की ही तरह 2.0 लीटर टर्बो-पेट्रोल और 2.2 लीटर डीजल इंजन के साथ उपलब्ध है. इन इंजनों के साथ 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है. इसके अलावा फोर व्हील ड्राइव (4WD) का विकल्प केवल डीजल इंजन के साथ मिलता रहेगा.

किन वेरिएंट्स में मिलेंगे फीचर

कंपनी की ओर से इन सभी फीचर्स को कुछ खास वेरिएंट्स में ही ऑफर किया जा रहा है. जिनमें Z8, Z8 S, Z8 L शामिल हैं.

Z8 S और Z8 वेरिएंट में सिर्फ Wireless Charger Z8 और High Gloss Centre Console को दिया गया है. वहीं Z8 L में Ventilated Seats, Auto Dimming IRVM and Wireless Charger (with Active Cooling) को दिया गया है. तो पूरी Z8 रेंज में Midnight Black को ऑफर किया जा रहा है.

कितनी है कीमत

कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक Z8 S की एक्स शोरूम कीमत 17.09 लाख रुपये रखी गई है. इसके बाद Z8 वेरिएंट को दिया गया है, जिसकी एक्स शोरूम कीमत 18.74 लाख रुपये रखी गई है. Z8 के बाद कंपनी ने टॉप वेरिएंट के तौर पर Z8L को पेश किया है. इस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 20.37 लाख रुपये से शुरू हो जाती है.

दुनिया के 60 करोड़ लोग भूखे सोने को हो सकते हैं मजबूर

नई दिल्ली. दुनियाभर में अगले छह साल में 60 करोड़ लोगों के भूख का सामना करने का अनुमान है. आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) और खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने रिपोर्ट जारी की है.

रिपोर्ट में कहा गया कि उत्पादित भोजन का लगभग एक तिहाई हिस्सा दुनियाभर में खराब प्रबंधन के कारण बर्बाद हो रहा है. इससे लोगों के पास भोजन पहुंचने की दर प्रभावित हो रही है. रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया की लगभग 30 प्रतिशत आबादी खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है. वहीं 42 प्रतिशत स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं. इसके लिए कम आय, जलवायु परिवर्तन, दुनिया में देशों के बीच जारी संघर्ष को प्रमुख कारण माना जा रहा है. वहीं कोविड महामारी, जलवायु संकट और युद्ध से वैश्विक खाद्य प्रणाली में गिरावट आई है. यह रिपोर्ट तब आई है, जब आठ जुलाई से संयुक्त राष्ट्र अपने सतत विकास लक्ष्य 2 पर प्रगति की समीक्षा करने की तैयारी में है. रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2033 तक खेत से घर तक बर्बाद होने वाले भोजन की संख्या कम आय वाले देशों में ज्यादा प्रभावित करेगी.

हर साल बढ़ रहा प्रतिशत

रिपोर्ट के मुताबिक, भोजन का उत्पादन करने के लिए भारी मात्रा में संसाधनों भूमि, जल, ऊर्जा और श्रम का उपयोग होता है. वर्ष 2021 में खेत, परिवहन, भंडारण, थोक और प्रसंस्करण स्तरों पर फसल के बाद विश्व स्तर पर खोए भोजन का प्रतिशत 13.2 प्रतिशत अनुमानित किया गया था. वहीं 2022 में बर्बादी का स्तर 19 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया था.

Vivo T3 Lite 5G की पहली सेल,
सस्ती कीमत में डिस्काउंट के साथ खरीदें बेहतरीन फोन

> Vivo ने एक सप्ताह पहले Vivo T3 Lite को भारत में लॉन्च किया था और आज इस स्मार्टफोन की पहली सेल शुरू होने जा रही है. यह एक अफोर्डेबल 5G स्मार्टफोन है, जो कई दमदार फीचर्स, कैमरा सेटअप के साथ आता है. इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप है, जो 50MP का प्राइमरी कैमरा है. इसके अलावा इसमें 5000mAh की बैटरी दी है.

सेल में कितना मिलेगा डिस्काउंट

Vivo Lite T3 5G फोन को ग्राहक डिस्काउंट के साथ भी खरीद सकते हैं. अगर आप इस फोन को HDFC Bank के क्रेडिट और डेबिट कार्ड से खरीदते हैं तो आप इस पर सीधे 500 रुपये की छूट पा सकते हैं. यानी इस फोन को आप इस सेल में 9,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर खरीद कर ला सकते हैं.

Vivo Lite T3 5G की कीमत

Vivo Lite T3 5G को कंपनी ने 4GB + 128GB और 6GB + 128GB वेरिएंट में पेश किया है. इस फोन की शुरुआती कीमत 11 हजार रुपये से भी कम है. इस फोन के 4GB + 128GB वेरिएंट की कीमत 10,499 रुपये और 6GB + 128GB वेरिएंट की कीमत 11,499 रुपये है.

Vivo T3 Lite 5G के स्पेक्स

वीवो फोन को कंपनी MediaTek Dimensity 6300 प्रोसेसर के साथ लाती है. वीवो फोन 6.56 इंच, 1612 × 720 पिक्सल रेजोल्यूशन, LCD टाइप डिस्प्ले के साथ लाया जाता है. फोन 90 Hz रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आता है. वीवो फोन LPDDR4X रैम टाइप और eMMC 5.1 रोम टाइप के साथ आता है. फोन 4GB/6GB रैम और 128GB स्टोरेज से लैस है.

वीवो फोन को कंपनी 5000mAh बैटरी और 15W चार्जिंग पावर फीचर के साथ लाती है. वीवो फोन 50MP + 2MP रियर कैमरा और 8MP फ्रंट कैमरा के साथ आता है. इस सेगमेंट में रेडमी, सैमसंग और दूसरे ब्रांड के कई 5G स्मार्टफोन मौजूद हैं.

Virat Kohli के बाद हिटमैन Rohit Sharma ने भी T20 फॉर्मेट से लिया संन्यास

बारबाडोस के मैदान पर टीम इंडिया ने रोहित शर्मा की अगुवाई में इतिहास रच दिया. 17 सालों के बाद टी20 वर्ल्ड कप भारत के हिस्से आया है. इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारत के दो दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया. यह खबर क्रिकेट प्रेमियों के लिए निराश करने जैसा रहा. बात कर रहे हैं विराट कोहली और भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की. पहले किंग कोहली ने संन्यास की बात कही फिर हिटमैन ने संन्यास लेने का ऐलान किया. दोनों ने कहा कि ये उनका आखिरी टी20 वर्ल्ड कप था.

संन्यास पर क्या बोले रोहित ?

अपने नेतृत्व में विश्व कप जीताने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया. उन्होंने विश्वकप के फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की. हिटमैन ने कहा कि मैंने टी20 फॉर्मेट को हमेशा से काफी एंजॉय किया है. मेरे करियर की शुरुआत ही इस फॉर्मेट से हुई है. मैंने हर पल का लुत्फ उठाया है. आज विदा लेने का सही समय है और मुझे लगता है इससे बेहतर समय नहीं हो सकता. मैं हर हाल में विश्वकप जीतना चाहता था और ये हो गया. यह मेरे लिए भावुक पल है जिसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता. यहां आपको बताते चलें कि रोहित ने सिर्फ टी 20 फॉर्मेट से संन्यास लिया है वनडे और टेस्ट में आप उनको आगे खेलते देखेंगे.

गरीबी में बीता बचपन

रोहित शर्मा ने काफी संघर्ष के बाद इस मुकाम को हासिल किया है. उनका बचपन गरीबी में बीता लेकिन क्रिकेट को लेकर उनके जुनून ने यहां तक पहुंचा दिया. ये बात आपको चौंका सकती है कि वह पहले बॉलर बनना चाहते थे और ऑफ ब्रेक की प्रैक्टिस भी करते थे. लेकिन उनके कोच ने बैटिंग के हुनर को पहचाना और बॉलिंग की जगह उनसे बैटिंग पर ध्यान देने की सलाह दी. कोच की सलाह के बाद रोहित ने बल्लेबाजी पर ध्यान देना शुरू किया और फिर टीम इंडिया को एक हिटमैन मिला.

रोहित का टी 20 करियर

रोहित शर्मा ने अपने टी20 करियर करियर में 159 मैच खेलकर 4231 रन बनाए.इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 140.89 का रहा. अपने इस करियर में उन्होंने 5 शतक और 32 अर्धशतक लगाए. इस फॉर्मेट में रोहित दुनिया में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज तो हैं ही साथ ही सबसे ज्यादा शतक मारने वाले बल्लेबाज भी हैं. रोहित शर्मा के नाम एक खास रिकॉर्ड भी है. उन्होंने बतौर कप्तान भारत के लिए टी 20 में 50 मैच जीते हैं. उनसे ज्यादा मैच अभी तक किसी कप्तान ने टी20 में नहीं जीते हैं.

टी20 विश्व कप 2007 के रहे हिस्सा

रोहित को हमेशा टीम के लिए खेलने वाला खिलाड़ी कहा गया. इसी टूर्नामेंट में वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए 92 रनों की तूफानी पारी खेली और शतक बनाने के लिए संभल कर खेलने के बजाय आउट होकर चलते बने. बता दें कि जब धोनी की अगुवाई में भारत ने 2007 का टी20 विश्व कप जीता था उस समय भी रोहित टीम के हिस्सा थे. उन्होंने अपने टी20 फॉर्मेट की शुरुआत ही वर्ल्ड कप से की थी. और अब उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने खिताब जीता है.

हर काम में काम के हैं ये हुनर

बीते दो-तीन सालों में ट्रांसफरेबल स्किल सेट यानी किसी भी नौकरी में उपयोगी साबित होने वाले कौशलों पर बहुत जोर है. ऐसा इसलिए भी, क्योंकि जब तकनीकी कौशल के मौके सबके पास हों, तो आपके कुछ अलग ही हुनर मौके पर काबिज होने के लिए काम आते हैं. क्या हैं ये हुनर और कैसे इन्हें पहचानें.

- कंप्यूटर स्किल्स माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल्स या किसी इंडस्ट्री से संबंधित विशेष सॉफ्टवेयर जैसे टैली, सीआरएम टूल्स आपको अन्य क्षेत्रों में भी काम का साबित करेंगे.
- डेटा एनालिसिस फाइनेंस, मार्केटिंग और हेल्थकेयर में डेटा एनालिसिस के कौशल को भी बहुत महत्व दिया जाता है. जैसे माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल स्प्रेडशीट्स, डेटा विजुअलाइनजेशन टूल्स आदि.
- रिमोट कामकाज के तरीके अब रिमोट वर्किंग से भी कामकाज हो रहा है. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म में दक्षता और मजबूत कामकाजी रिश्तों का गुण भी आपका हुनर माना जाएगा.

एक अध्ययन कहता है कि कामकाजी दुनिया में वर्ष 2030 तक तुलनात्मक रूप से हर सप्ताह प्रॉब्लम सॉल्विंग में 90 फीसदी ज्यादा समय दिया जा रहा होगा और क्रिटिकल थिंकिंग के कौशल को 40 फीसदी ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा. जाहिर है कि नौकरी में भविष्य के लिए उपयोगी कौशलों की झलक पेश करते हैं ये आंकड़े. यह भी ध्यान रखना होगा कि जॉब जगत में हरेक के पास तकनीकी स्किल्स के मौके बढ़े हैं, ऐसे में प्रतियोगिता बढ़ी है. वहीं अचानक मंदी और कंपनियों में छंटनी जैसी घटनाएं भी बढ़ी हैं. इसीलिए जरूरी है कि खुद को किसी भी कार्यक्षेत्र में समायोजित होने लायक बनाएं. इनका समाधान देते हैं ट्रांसफरेबल स्किल्स. एक अध्ययन में 75 फीसदी नियोक्ताओं ने माना कि वे नए उम्मीदवार के तकनीकी स्किल से ज्यादा ट्रांसफरेबल स्किल्स पर ध्यान लगाते हैं.

क्या हैं ये ट्रांसफरेबल स्किल

इन्हें सॉफ्ट स्किल्स में रखा जाता है और इन्हें पोर्टेबल स्किल्स या एंप्लॉएबिलिटी स्किल्स के नाम से भी जानते हैं. ये ऐसे स्किल्स होते हैं, जो किसी एक विशेष नौकरी के साथ ही दूसरी अलग तरह की नौकरी में भी आसानी से उपयोगी साबित होते हैं और आपको जमे रहने में मदद करते हैं. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोर्सेरा के अनुसार ऐसे कुछ स्किल्स हैं.

आलोचनात्मक सोच वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अनुसार महामारी के बाद से नौकरियों में क्रिटिकल थिंकिंग पर बहुत जोर दिया जा रहा है. बिजनेस, हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, एजुकेशन जैसे हर अहम क्षेत्र में इसकी जरूरत पड़ती है. इसके कारण आप किसी भी जानकारी का विश्लेषण, आकलन करके उससे संबंधित समाधान या संभावनाएं निकाल पाते हैं.

समस्या-समाधान डिजिटल तकनीक, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, मार्केटिंग, एजुकेशन, हेल्थकेयर आदि अनेक तरह के कामकाज में यह स्किल बहुत उपयोग हो रहा है. एक अध्ययन में 86 फीसदी नियोक्ताओं ने युवाओं के रिज्यूमे में इस स्किल को तलाशा. बिजनेस के लक्ष्य एक समस्या की तरह होते हैं, जिससे संबंधित मुद्दों को समझने और उनके समाधान का कौशल अपेक्षित होता है. अनुकूलनशीलता यह स्किल व्यक्ति को नई परिस्थितियों में शीघ्रता से अनुकूलन करने में सक्षम बनाता है. नौकरी का क्षेत्र बदलने पर, फ्रेशर के तौर पर नौकरी में या नई तकनीक के माध्यम से कामकाज करने में इस तरह के स्किल्स आपको दमदार कर्मचारी बनाते हैं.

छोटी बातों पर ध्यान इस स्किल के साथ काम में गलतियां होने की गुंजाइश कम होती है और गुणवत्तापूर्ण काम होता है. जैसे एडिटिंग, प्रोग्रामिंग, क्वालिटी कंट्रोल आदि. टीम वर्क अधिकतर काम टीम में या कई विभागों के साथ मिलकर करने होते हैं. टीम में बिना बाधा बने, एक लक्ष्य के लिए काम करने का गुण आपको अच्छा कर्मचारी बनाता है.

प्रबंधन इसमें ऑफिस के समय का प्रबंधन ही नहीं, कामकाजी रिश्तों, संबंधित लोगों को मैनेज करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण है. इस तरह उत्पादकता बढ़ती है.

फीसदी, नौकरी के लिए आवेदन करने वालों में से, अपने ट्रांसफरेबल स्किल्स से परिचित नहीं होते हैं. इन्हें पहचानें और कमजोर पक्ष को वर्कशॉप, अभ्यास, वालंटियर प्रोजेक्ट्स, Coursera, edX, Khan Academy, Alison आदि के ऑनलाइन निशुल्क कोर्स से सुधारें.

ऐसे जानें अपने ट्रांसफरेबल स्किल

फोर्ब्स के अनुसार कुछ तरीकों से आप अपने इन कौशलों को पहचान सकते हैं.

ऑफिस में रोज के कामों की सूची बनाए

- इसमें उन कामों को भी लिखें, जो आपके पद के लोग आमतौर पर नहीं करते. इसमें दस्तावेजों का अपना रिकॉर्ड रखना या प्रेजेंटेशन बनाना आदि हो सकते हैं.

अपने मजबूत पक्षों का आकलन करें

- देखें कि सुपरवाइजर या टीम आपको किन कौशलों के लिए याद रखते हैं.
- ऐसे काम, जिन्हें करने पर अहसास ही नहीं होता कि आपने काम किया.
- ऐसे काम जिनमें बिल्कुल भी घबराहट नहीं होती.

रोज के ऐसे काम, जिन्हें करना पसंद करते हैं

- हो सकता है कि आप अपनी वर्तमान जॉब से खुश ना हों, पर इससे संबंधित कामकाज के कुछ हिस्सों को करने में आप खुशी महसूस करते होंगे. इस सूची में दर्ज हुए कामों से संबंधित कौशल आप अपने रिज्यूमे में पेश कर सकते हैं.

रिज्यूमे में कैसे दिखाए

- नौकरी के बारे में दी गई जानकारी, उसकी विशिष्ट जिम्मेदारियों और कंपनी के बारे में विस्तार से पढ़ें. उसमें जिन स्किल्स की बात कही गई है, उन्हें अपनी सूची से मिलाएं. इस सूची में जो स्किल नौकरी के लिए उपयोगी लगें, उन्हें रिज्यूमे में लिखें.
- संबंधित ट्रांसफरेबल स्किल से जुड़े सर्टिफिकेशन या उपलब्धियों या अनुभवों का जिक्र जरूर करें.
- ऐसा करते समय उन्हीं की-वर्ड्स और जुमलों में अपनी बात लिखें, जो नौकरी के विज्ञापन में उपयोग हुए हैं, ताकि एप्लीकैंट ट्रैकिंग सिस्टम में आपका आवेदन अस्वीकृत होने की गुंजाइश ना रहे.

Kia Price Hike: Kia की Sonet और Seltos SUV को खरीदना हुआ महंगा

किया की एसयूवी अब महंगी हो गई हैं. किया इंडिया (Kia India) ने अपनी पॉपुलर एसयूवी सेल्टोस (Seltos) की कीमतें भारत में बढ़ा दी हैं. इसकी कीमतों में 19 हजार रुपये तक का इजाफा किया गया है. प्राइस हाइक के बाद अब किया की सेल्टोस भारत में 10.90 लाख रुपये (एक्स-शोरूम प्राइस) से शुरु है. किया की सिर्फ सेल्टोस ही नहीं बल्कि किया ने अपनी सोनेट एसयूवी (Sonet SUV) की भी कीमतें इस महीने से बढ़ा दी हैं. इसके भाव में अधिक इजाफा हुआ है और ये 27 हजार रुपये तक महंगी हुई हैं.

Kia Sonet के किस वेरिएंट में कितनी बढ़ोतरी

किआ की सोनेट एसयूवी के बेस वेरिएंट की कीमत में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है. इसके HTE(O) पेट्रोल 1.2 मैनुअल की कीमत में 9900 रुपये बढ़ाए गए हैं. वहीं टॉप वेरिएंट एक्स लाइन 1.0 टर्बो पेट्रोल डीसीटी की कीमत में 17 हजार रुपये बढ़ाए गए हैं. SUV के HTX डीजल MT वेरिएंट की कीमत में सबसे ज्यादा 27 हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है.

Kia Seltos के किस वेरिएंट में कितनी बढ़ोतरी

सोनेट के साथ ही सेल्टॉस की कीमतों को भी बढ़ाया गया है. इस एसयूवी की कीमत में 19 हजार रुपये तक बढ़ाए गए हैं. एसयूवी के मिड वेरिएंट HTX डीजल iMT में सबसे ज्यादा कीमत बढ़ाई गई है. सोनेट की तरह इसके भी बेस वेरिएंट की कीमत में किसी भी तरह की बढ़ोतरी नहीं की गई है. इसके X-Line DCT वेरिएंट की कीमत में सबसे कम दो हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई है.

ORGALIFE®
Eat Organic, Stay Healthy
CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS
Range of 100% Natural & Eco Friendly Products
140/- 120/- हिमालयन पिंक सॉल्ट
130/- 115/- आर्गेनिक गुड
130/- 115/- आर्गेनिक गुड पाउडर
150/- 135/- गुड चना
115/- 94/- गुड खुरचन
140/- 125/- गुड पान
140/- 120/- गुड पाचक
175/- 160/- टी मसाला
180/- 160/- रेड राइस
180/- 165/- ब्लैक राइस
175/- 155/- ब्राउन राइस
210/- 190/- रामजीरा राइस
160/- 145/- दुबराज राइस
170/- 155/- हर्बल सोप
560/- 545/- नारियल तेल
110/- 95/- लाल मिर्च पाउडर
430/- 410/- A2 घी
175/- 154/- आम का अचार
130/- 115/- मिक्स दाल
125/- 110/- मसूर दाल
110/- 90/- चना दाल
130/- 115/- मूंग दाल (बिना छिलका)
130/- 115/- उड़द दाल (छिलका)
125/- 110/- झुरगा
160/- 145/- काबूली चना
145/- 120/- राजमा जम्मू
110/- 85/- मल्टी ग्रेन दलिया
140/- 120/- मूंग दाल (छिलका)
80/- 60/- सुजी
95/- 75/- साबुत चना
110/- 85/- गेंहू आटा
115/- 90/- चना बेसन
140/- 120/- उड़द दाल(बिना छिलका)
145/- 130/- अरहर दाल
110/- 85/- रागी फ्लोर
90/- 77/- राइस पोहा
More Then 100+ Organic Grocery Products
Scan & Shop Now
Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

www.orgalife.in

ORGALIFE®

Himalayan Pink Salt

साधारण नमक को छोड़ें हिमालयन पिंक सॉल्ट को अपनाएं

Dhamaka OFFER

Buy 1kg

& Get Small Pack Free

Worth ₹42

ORGALIFE ORGANIC STORE

Magneto Mall, Lower Basement Infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)

Orgalife Himalayan Pink Salt Also Available at Your Nearest Grocery Store